*जी 20 टेकस्प्रिंट फिनाले में मुख्य भाषण**

शक्तिकान्त दास

मुझे जी-20 टेकस्प्रिंट 2023 ग्रैंड फिनाले के अवसर पर यहां उपस्थित होकर बहुत खुशी हो रही है। यह एक ऐसा कार्यक्रम जो नवाचार, सहयोग और परिवर्तन की भावना का प्रतिनिधित्व करता है। टेकस्प्रिंट अभी तक की एक और ऐसी पहल है जो प्रौद्योगिकी का उपयोग करने और नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है, और जो पूरी दुनिया के वित्तीय परिदृश्य को बदल सकती है। आज हमारे बीच इस क्षेत्र के अनुभवी और दूरदर्शी मान्यवर उपस्थित हैं जिससे यह एहसास होता है कि हम संभावना और प्रगति के बीच खड़े हैं, जहां नवाचार सिर्फ एक अवधारणा नहीं है, बल्कि परिवर्तन के लिए एक उत्प्रेरक है।

जी 20 टेकस्प्रिंट एक वैश्विक दीर्घकालिक हैकाथॉन शृंखला है जिसे बीआईएस इनोवेशन हब जी 20 प्रेसीडेंसी के साथ सालाना सह-आयोजित करता है। इन हैकाथॉन का उद्देश्य ऐसी नई प्रौद्योगिकियों की पहचान करना है जो केंद्रीय बैंकों की चुनौतियों और प्राथमिकताओं का समाधान कर सकें। यह सार्वजनिक-निजी भागीदारी के साथ-साथ विनियामक-नवप्रवर्तक साझेदारी के लिए एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। इन साझेदारियों में वित्तीय सेवा पारिस्थितिकी तंत्र की दक्षता और प्रभावशीलता में सुधार की दिशा में सकारात्मक योगदान देने की बड़ी क्षमता है।

टेकस्प्रिंट 2023 नवाचार के प्रति भारत की प्रतिबद्धता के साथ गहराई से मेल खाता है। अपने मजबूत स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र, जीवंत प्रतिभा संचय और डिजिटल परिवर्तन के लिए अटूट प्रतिबद्धता के साथ भारत अब इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रहा है कि कैसे प्रौद्योगिकी का उपयोग अंतराल को पाटने, व्यक्तियों को सशक्त बनाने और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए किया जा सकता है। पिछले कुछ वर्षों में भारत में डिजिटल प्रौद्योगिकियों का तेजी से विस्तार हुआ है, जिसका हमारी वित्तीय प्रणाली पर परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ा है। आज *आधार*, सस्ता इंटरनेट और मोबाइल फोन सेवाओं जैसे मजबूत डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के कारण अधिक से अधिक लोगों की वित्तीय सेवाओं तक पहुंच है, भले ही वे किसी भी स्थान या सामाजिक स्थिति में हों। नवाचार मोबाइल बैंकिंग, डिजिटल भुगतान और अन्य अनुकूलित डिजिटल उत्पाद पेशकशों के प्रसार को शक्ति प्रदान कर रहे हैं।

नवाचार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का एक ऐतिहासिक उदाहरण यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) है, जो भारत के डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक गेम-चेंजर रहा है। इसने बैंक सुविधा से वंचित लाखों व्यक्तियों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली में लाकर वित्तीय समावेशन को बढ़ाने में मदद की है। एक महीने में 10 बिलियन से अधिक लेनदेनों के साथ, यूपीआई भारत में डिजिटल भुगतान की रीढ़ बन गया है और इसने फिनटेक क्षेत्र में नवाचारों की एक लहर को उत्प्रेरित करने में मदद की है। आज, 70 से अधिक मोबाइल एप्प और 50 मिलियन से अधिक व्यापारी हैं, जो यूपीआई भुगतान स्वीकार करते हैं।

डिजिटल भुगतान के माध्यम से वित्तीय समावेशन से लेकर क्रेडिट आकलन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करने तक, भारत की यात्रा मानवीय स्पर्श के साथ नवाचार का एक उदाहरण है। रिज़र्व बैंक में, हम जिम्मेदार नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके हिस्से के रूप में, हमने हाल के दिनों में कुछ रणनीतिक कदम उठाए हैं। संस्थागत मोर्चे पर हमने तेजी से विकसित हो रहे फिनटेक क्षेत्र पर समर्पित ध्यान देने के उद्देश्य से रिज़र्व बैंक में एक फिनटेक विभाग की स्थापना की है। इस विभाग का अधिदेश संबंधित जोखिमों, यदि कोई हो, का प्रबंधन करते हुए नवाचार को बढ़ावा देना है। इसी प्रकार, हमने रिज़र्व बैंक इनोवेशन हब (आरबीआईएच) को एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में स्थापित किया है, जो वर्तमान में सामाजिक संरचना के आधारभूत हिस्से में स्थित लोगों तक पहुंचने वाली कई नवीन प्रौद्योगिकी आधारित परियोजनाओं में लगी हुई है। एक बार पूरी तरह से विस्तारित होने के बाद, इन परियोजनाओं से वित्तीय सेवा पारिस्थितिकी तंत्र पर परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ने की उम्मीद है, विशेष रूप से उधार देने के क्षेत्र में। रिज़र्व बैंक ने एक विनियामकीय सैंडबॉक्स ढांचा भी स्थापित किया है जिसमें नवोन्वेषकों को नियंत्रित वातावरण में अपने उत्पादों का परीक्षण करने का अवसर मिलता है। इस सैंडबॉक्स के तहत चार कोहोर्टों का अब तक का अनुभव उत्साहजनक रहा

* भारतीय रिज़र्व बैंक और बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (बीआईएस) द्वारा आयोजित जी20 टेकस्प्रिंट फिनाले में भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर श्री शक्तिकान्त दास का मुख्य भाषण। मुंबई, 4 सितंबर 2023।

है। वास्तव में, सैंडबॉक्स वातावरण से सफलतापूर्वक बाहर निकलने वाले कुछ उत्पाद वास्तविक रूप से काम करने लगे हैं। इसके अलावा, किसी विशिष्ट समस्या के लिए विचार प्राप्त करने की दृष्टि से, हमने *हारबिंगर* रूप में दीर्घकालिक हैकाथॉन आयोजित करना शुरू कर दिया है। 2021 में पहले *हारबिंगर* के सफल समापन के बाद, दूसरा हैकाथॉन वर्तमान में प्रगति पर है।

हाल ही में हमने बाधा रहित ऋण के लिए पब्लिक टेक प्लैटफॉर्म पर एक पायलट परियोजना शुरू की है। इस प्लेटफॉर्म को रिज़र्व बैंक इनोवेशन हब के सहयोग से विकसित किया गया था। जैसा कि आप जानते होंगे, क्रेडिट मूल्यांकन के लिए आवश्यक डेटा विभिन्न संस्थाओं के पास उपलब्ध हैं, और वे अलग-अलग प्रणालियों में हैं। इस वजह से जरूरतमंदों को समय पर ऋण देने में बाधा उत्पन्न होती है । इस सार्वजनिक एंड-टू-एंड डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से, हम उधारदाताओं को क्रेडिट मूल्यांकन के लिए अलग-अलग स्थानों पर उपलब्ध जानकारी का उपयोग करने और विभिन्न उधार उत्पादों को बाधा रहित और त्वरित तरीके से पेश करने में सक्षम बना रहे हैं। यह प्लैटफॉर्म सूचना प्रदाताओं के साथ उधारदाताओं के कई द्विपक्षीय एकीकरण की आवश्यकता को समाप्त कर देगा। इस एंड-टू-एंड डिजिटल प्लेटफॉर्म से लागत में कमी, टर्नअराउंड टाइम में सुधार, अधिक स्केलेबिलिटी और वित्तीय सेवाओं की पहुंच का विस्तार करने के मामले में ऋण वितरण की पूरी प्रक्रिया में अधिक दक्षता आने की उम्मीद है।

भारत की जी 20 अध्यक्षता के तहत, जी 20 टेकस्प्रिंट का यह चौथा संस्करण 4 मई 2023 को 'सीमा पार भुगतान के लिए प्रौद्योगिकी समाधान' विषय के साथ शुरू किया गया था। सीमा पार भुगतान का मुद्दा जी-20 का प्राथमिकता वाला क्षेत्र है। अब तक की प्रगति के बावजूद, मौजूदा सीमा पार भुगतान के लिए प्रमुख चुनौतियां उच्च लागत, कम गति, सीमित पहुंच और अपर्याप्त पारदर्शिता हैं। तेज, सस्ता, अधिक पारदर्शी और अधिक समावेशी सीमा पार भुगतान सेवाएं दुनिया भर में लोगों और अर्थव्यवस्थाओं को व्यापक लाभ प्रदान करेंगी। यह आर्थिक विकास, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्तीय समावेशन को भी मदद करेगा।

अब मैं एक और प्रौद्योगिकी नवाचार, अर्थात् सेंट्रल बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) पर बात करूंगा। दुनिया भर के कई केंद्रीय बैंक सीबीडीसी शुरू करने पर विचार कर रहे हैं और इस दिशा में कदम उठा रहे हैं। भारत उन कुछ देशों में से एक है जिसने थोक और खुदरा दोनों क्षेत्रों में सीबीडीसी पायलट शुरू किए हैं। हम इस पायलट कार्यक्रम को धीरे-धीरे और लगातार, अधिक बैंकों, अधिक शहरों, अधिक लोगों और अधिक उपयोग के मामलों में विस्तारित कर रहे हैं। हम जो अनुभवजन्य डेटा तैयार कर रहे हैं, वह नीतियों और भविष्य की कार्रवाई को आकार देने में दीर्घावधि में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मेरा मानना है कि अपनी त्वरित निपटान सुविधा के साथ, सीबीडीसी सीमा पार भुगतान को सस्ता, तेज और अधिक सुरक्षित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

इस जी20 टेक स्प्रिंट 2023 के लिए पहचाने गए समस्या बिंदुओं को सावधानीपूर्वक चुना गया है। ये इन मुद्दों से संबंधित हैं - (i) अनुचित वित्त जोखिम को कम करना; (ii) मुद्रा निपटान के लिए विदेशी मुद्रा और प्रौद्योगिकी समाधान; और (iii) बहुपक्षीय सीमा पार सीबीडीसी प्लेटफार्मों के लिए प्रौद्योगिकी समाधान। मैं इन समस्या बिंदुओं के कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डालूंगा।

पहला समस्या बिंदु एएमएल/सीएफटी (एंटी-मनी लॉन्डरिंग/काउंटरिंग द फाइनेंसिंग ऑफ टेररिज्म) प्रौद्योगिकी समाधानों पर केंद्रित है, जिन्हें एएमएल/सीएफटी/प्रतिबंधों के लिए स्क्रीनिंग प्रक्रियाओं की दक्षता बढ़ाते हुए अवैध वित्त के जोखिमों को कम करने के लिए बहुपक्षीय प्लेटफार्मों में एकीकृत किया जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र ड्रग्स और अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) के अनुमानों के अनुसार वैश्विक धन शोधन वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 2-5 प्रतिशत है, जो लगभग 800 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है। अन्य अनुमान इसे 3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के करीब बताते हैं, जिसमें से अनुमानित 3 बिलियन प्रति वर्ष सफलतापूर्वक रोक लिया जाता है। यह वास्तव में 0.1 प्रतिशत के रूप में एक बहुत छोटा प्रतिशत है। पूर्ण एएमएल / सीएफटी अनुपालन प्राप्त करना बेहद चुनौतीपूर्ण है क्योंकि प्रवर्तन कार्य कठिन, धीमा और कभी-कभी, केवल आंशिक होता है। इसलिए, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली के लिए इस प्रमुख जोखिम से निपटने के लिए अभिनव समाधानों को अपनाना महत्वपूर्ण है।

दूसरा समस्या बिंदु प्रतिभागियों को विदेशी मुद्रा और चलनिधि में प्रौद्योगिकी समाधान के साथ आने के लिए प्रोत्साहित करना है ताकि अधिक संख्या में उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्था (ईएमडीई) की मुद्राओं में निपटान को सक्षम किया

जा सके। सीमा पार भुगतान में स्थानीय मुद्राओं का उपयोग ईएमडीई को वैश्विक आघातों से बचाने, विनिमय दर में उतार-चढ़ाव से बचाने और स्थानीय विदेशी मुद्रा और पूंजी बाजारों के विकास को प्रोत्साहित करने में मदद कर सकता है। बहुपक्षीय भुगतान प्लैटफ़ॉर्म जो कई मुद्राओं का समर्थन करते हैं, ऐसे स्थानीय-मुद्रा भुगतान को बढ़ावा देने का एक तरीका प्रदान करेंगे। जैसा कि आज स्थितियां हैं, ईएमडीई मुद्राओं से जुड़े एफएक्स और चलनिधि जोखिम ईएमडीई मुद्राओं के साथ बहुपक्षीय प्लेटफार्मों के संचालन को और अधिक चुनौतीपूर्ण बना सकते हैं। इस पृष्ठभूमि में प्रभावी चलनिधि तंत्र विकसित किए जाने की आवश्यकता है।

तीसरा समस्या बिंदु जिसे जानबूझकर व्यापक रखा गया था, बहुपक्षीय सीमा पार सीबीडीसी प्लैटफार्मों के लिए प्रौद्योगिकी समाधान की मांग करता है। इसने बहुपक्षीय क्रॉस-बॉर्डर सीबीडीसी प्लेटफार्मों के लिए समाधान और प्रौद्योगिकियों को आमंत्रित किया जो बहु-सीबीडीसी प्लैटफार्मों या घरेलू भुगतान प्रणालियों में इंटरऑपरेबिलिटी में योगदान कर सकते हैं; परिचालन लागत को कम कर सकते है; और सभी क्षेत्राधिकारों के मानकों में स्थिरता सुनिश्चित करते हुए दक्षता में वृद्धि कर सकते हैं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि सीबीडीसी को अपनाकर सीमा पार भुगतान को अधिक कुशल बनाया जा सकता है और यह एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर पूरा ध्यान दिया जाना चाहिए। हम सभी सीबीडीसी मोर्चे पर नए से शुरुआत कर रहे हैं। सही प्रौद्योगिकी प्लैटफार्म को अपनाना, जो इंटरऑपरेबल होगा, सीमा पार भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र के भविष्य के लिए एक बड़ा लाभ होगा।

मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि इस जी-20 टेकस्प्रिंट 2023 में तीन समस्या बिंदुओं पर प्रस्तुत 93 प्रस्तावों के साथ दुनिया भर से उत्साहजनक भागीदारी देखी गई है। बीआईएस के सहयोग से, कुल मिलाकर 21 प्रस्तावों (तीन समस्या बिंदुओं के लिए प्रत्येक में 7) को चुना गया। इन प्रस्तावों में जी20 प्राथमिकता के अनुरूप सीमा पार भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र में परिवर्तन लाने की क्षमता है। उनके पास वित्तीय प्रणाली की अखंडता को बनाए रखने, वंचितों को सशक्त बनाने, सीमा पार भुगतान में बाधाओं को कम करने और वित्तीय प्रणालियों की समुत्थानशीलता को बढ़ाने के लिए समाधान प्रदान करने की शक्ति है। इन प्रस्तावों का मूल्यांकन एक प्रतिष्ठित जूरी द्वारा किया गया था और तीन सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतियों (प्रत्येक समस्या बिंदु के लिए एक) को विजेता के रूप में चुना गया है। विजेता टीमों को मेरी बधाई। मैं सभी प्रतिभागियों को उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद देता हूं और उन्हें अपने अभिनव प्रयासों को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करता हूं। मैं प्रत्येक प्रतिभागी, संरक्षक, निर्णायक और भागीदार के प्रति अपना आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने जी20 टेकस्प्रिंट के इस संस्करण की सफलता में योगदान दिया है। मैं इस पूरी यात्रा में बीआईएस इनोवेशन हब के सक्रिय योगदान की सराहना करता हूं। हमने साथ मिलकर सहयोग की शक्ति और नवाचार के वादे को प्रदर्शित किया है।

अब मैं यह कहते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं कि नवाचार प्रगति के केन्द्र में है। तेजी से जटिल होती और परस्पर जुड़ी हुई दुनिया में, हमारी अर्थव्यवस्थाओं, बाजारों और विनियामकीय ढांचे को मिलकर विकसित होना चाहिए। जी20 टेकस्प्रिंट ग्रैंड फिनाले केवल प्रौद्योगिकी प्रगति का उत्सव नहीं है; यह समृद्धि, समुत्थानशीलता और समावेश के चालक के रूप में नवाचार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। नवाचार की हमारी खोज में, हमें यह भी स्वीकार करना चाहिए कि प्रौद्योगिकी अक्सर बाजार की अखंडता, आचरण, डेटा गोपनीयता, सुरक्षा और नैतिकता से संबंधित जोखिमों के साथ होती है। इसलिए, नवाचार को जिम्मेदार नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता के साथ होना चाहिए - जवाबदेही के साथ प्रगति को संतुलित करने की प्रतिज्ञा; सुरक्षा उपायों के साथ नव परिवर्तन की प्रतिज्ञा; और नैतिकता के साथ विकास प्रतिज्ञा।

इस टेकस्प्रिंट ने दिखाया है कि नवाचार प्रयोगशालाओं की दीवारों या शिक्षा के दायरे तक ही सीमित नहीं है। यह लोगों और राष्ट्रों की आकांक्षाओं में रहता है। 9 और 10 सितंबर का जी20 शिखर सम्मेलन करीब आ रहा है। आइए हम जी20 के विषय 'एक भविष्य' को साकार करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करें। हमें प्रोद्योगिकीय प्रगति और नवाचारों के लाभ सभी के लिए उपलब्ध कराने के लिए वैश्विक सहयोग की भावना को अपनाना चाहिए।

धन्यवाद और सभी को शुभकामनाएं।